GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 3
May - June: 2026

भारत–नेपाल संबंध : ऐतिहासिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सामरिक अध्ययन

नीरज कुमार आलोक
सहायक प्राध्यापक
पटेल बी.एड कॉलेज , लोधमा, खूंटी

सारांश

भारत और नेपाल के संबंध दक्षिण एशिया में सबसे अधिक घनिष्ठ, ऐतिहासिक एवं बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों में गिने जाते हैं। दोनों देशों के बीच भौगोलिक निकटता के साथ-साथ सांस्कृतिक, धार्मिक, भाषायी तथा सामाजिक समानताएँ भी गहराई से विद्यमान हैं। भारत और नेपाल के नागरिकों के बीच सदियों से चले आ रहे पारिवारिक, धार्मिक और आर्थिक संबंधों के कारण इन दोनों देशों के रिश्तों को प्रायः "रोटी-बेटी के संबंध" के रूप में वर्णित किया जाता है (कंडेल, 2024)। खुली सीमा व्यवस्था, लोगों की निर्बाध आवाजाही तथा साझा सांस्कृतिक विरासत इन संबंधों की विशिष्टता को और अधिक सुदृढ़ बनाती है (विदेश मंत्रालय, 2024)। भारत और नेपाल के आधुनिक द्विपक्षीय संबंधों की आधारशिला 1950 की भारत-नेपाल शांति एवं मैत्री संधि मानी जाती है। इस संधि ने दोनों देशों के बीच राजनीतिक, आर्थिक तथा सुरक्षा सहयोग को संस्थागत स्वरूप प्रदान किया तथा नागरिकों के आवागमन, व्यापार और निवास के लिए विशेष सुविधाएँ सुनिश्चित कीं (विदेश मंत्रालय, 2024)। इसके परिणामस्वरूप दोनों देशों के बीच आर्थिक परस्पर निर्भरता और रणनीतिक सहयोग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। वर्तमान समय में भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार तथा प्रमुख निवेशक है, जबकि नेपाल भारत के लिए सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ोसी राष्ट्र है (नेक्स्ट आईएएस, 2025)। राजनीतिक स्तर पर भारत और नेपाल के संबंध समय-समय पर विभिन्न चुनौतियों से प्रभावित होते रहे हैं। नेपाल की आंतरिक राजनीतिक परिस्थितियाँ, लोकतांत्रिक संक्रमण, संवैधानिक परिवर्तन तथा विभिन्न राजनीतिक दलों की नीतियाँ द्विपक्षीय संबंधों पर प्रभाव डालती रही हैं (अधिकारी, 2021)। इसके अतिरिक्त कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा जैसे सीमा विवादों ने भी दोनों देशों के बीच समय-समय पर तनाव उत्पन्न किया है (पंत, 2023)। नेपाल में चीन की बढ़ती आर्थिक और सामरिक उपस्थिति ने भी भारत-नेपाल संबंधों को नई चुनौतियों के समक्ष खड़ा किया है, जिससे क्षेत्रीय शक्ति संतुलन का प्रश्न महत्वपूर्ण हो गया है (वाजीराम एवं रवि, 2024)। आर्थिक दृष्टि से दोनों देशों के बीच व्यापार, ऊर्जा, जल संसाधन, अवसंरचना विकास तथा संपर्क परियोजनाओं में सहयोग निरंतर बढ़ रहा है। विशेष रूप से जलविद्युत परियोजनाएँ, सीमा-पार विद्युत व्यापार तथा रेल एवं सड़क संपर्क परियोजनाएँ दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई दिशा प्रदान

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 3
May - June: 2026

कर रही हैं (नेक्स्ट आईएएस, 2025)। वहीं सामरिक दृष्टि से नेपाल भारत और चीन के मध्य एक महत्वपूर्ण रणनीतिक क्षेत्र के रूप में कार्य करता है, जिससे उसकी भू-राजनीतिक स्थिति और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है (सिंह, 2020)।

मुख्य शब्द: *भारत-नेपाल संबंध, 1950 मैत्री संधि, आर्थिक सहयोग, सामरिक महत्व, दक्षिण एशिया, सीमा विवाद।*

1. प्रस्तावना

भारत और नेपाल के संबंध प्राचीन काल से ही अत्यंत घनिष्ठ रहे हैं। दोनों देशों के बीच "रोटी-बेटी का संबंध" केवल एक सांस्कृतिक अभिव्यक्ति नहीं बल्कि सामाजिक वास्तविकता है। नेपाल विश्व का एकमात्र ऐसा देश है जिसके साथ भारत की खुली अंतरराष्ट्रीय सीमा है। दोनों देशों के नागरिक बिना वीज़ा और पासपोर्ट के एक-दूसरे के देशों में आवागमन कर सकते हैं। धार्मिक दृष्टि से भी नेपाल और भारत का विशेष महत्व है। जनकपुर, पशुपतिनाथ, लुंबिनी तथा वाराणसी जैसे धार्मिक केंद्र दोनों देशों की सांस्कृतिक एकता को मजबूत करते हैं। आधुनिक काल में भारत और नेपाल के संबंधों की नींव 31 जुलाई 1950 को हस्ताक्षरित शांति एवं मैत्री संधि पर आधारित है। इस संधि ने दोनों देशों के बीच राजनीतिक, आर्थिक तथा सुरक्षा सहयोग को नई दिशा प्रदान की। हालांकि बदलती क्षेत्रीय और वैश्विक परिस्थितियों के कारण संबंधों में नए आयाम और चुनौतियाँ भी उत्पन्न हुई हैं।

भारत–नेपाल संबंध : साहित्य समीक्षा

क्र.सं.	लेखक का नाम	वर्ष	प्रमुख निष्कर्ष
1	लियो ई. रोज़	1971	नेपाल की विदेश नीति भारत और चीन के बीच संतुलन स्थापित करने पर आधारित रही है।
2	एस. डी. मुनी	1992	भारत-नेपाल संबंधों में सुरक्षा एवं राजनीतिक कारक अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।
3	लोक राज बराल	1996	नेपाल की आंतरिक राजनीति का भारत-नेपाल संबंधों पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है।
4	रमेश ठाकुर	1997	दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय सहयोग के लिए भारत-नेपाल संबंध महत्वपूर्ण आधार प्रदान करते हैं।

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 3
May - June: 2026

5	बी. सी. उप्रेती	2001	नेपाल की राजनीतिक अस्थिरता द्विपक्षीय संबंधों में उतार-चढ़ाव का कारण बनती है।
6	सी. राजा मोहन	2003	भारत की पड़ोसी नीति में नेपाल का विशेष रणनीतिक महत्व है।
7	निश्चल नाथ पांडे	2005	1950 की शांति एवं मैत्री संधि दोनों देशों के संबंधों की आधारशिला है।
8	एस. डी. मुनी	2006	नेपाल में लोकतांत्रिक परिवर्तन की प्रक्रिया में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।
9	ध्रुव कुमार	2007	माओवादी आंदोलन ने भारत-नेपाल संबंधों में नई राजनीतिक चुनौतियाँ उत्पन्न कीं।
10	पुष्प राज कडेल	2008	आर्थिक सहयोग दोनों देशों की साझेदारी का प्रमुख आधार है।
11	ऋषि राज अधिकारी	2009	सीमा प्रबंधन और सुरक्षा भारत-नेपाल संबंधों की प्रमुख चुनौतियाँ हैं।
12	भेख बहादुर थापा	2010	नेपाल की विदेश नीति में भारत का ऐतिहासिक प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है।
13	महेंद्र लामा	2011	सीमा-पार व्यापार और संपर्क क्षेत्रीय आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करते हैं।
14	सूर्य प्रसाद सुवेदी	2012	खुली सीमा व्यवस्था अवसरों के साथ-साथ सुरक्षा चुनौतियाँ भी प्रस्तुत करती है।
15	रंजन गुप्ता	2013	भारत-नेपाल आर्थिक सहयोग दक्षिण एशियाई आर्थिक एकीकरण को मजबूत करता है।
16	सनासम संध्यारानी देवी	2014	सांस्कृतिक और सामाजिक निकटता द्विपक्षीय संबंधों की सबसे बड़ी शक्ति है।
17	एस. के. चतुर्वेदी	2015	नेपाल की संवैधानिक राजनीति ने भारत-नेपाल संबंधों को प्रभावित किया।
18	प्रमोद जायसवाल	2016	दोनों देशों के बीच विश्वास की कमी समय-समय पर तनाव का कारण बनती है।

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 3
May - June: 2026

19	हरि बंश झा	2017	चीन की बढ़ती उपस्थिति नेपाल की विदेश नीति को प्रभावित कर रही है।
20	राजन भट्टाराई	2018	नेपाल भारत और चीन के बीच संतुलित विदेश नीति अपनाने का प्रयास करता है।
21	कॉन्स्टेंटिनो जेवियर	2019	हिमालयी भू-राजनीति में नेपाल का सामरिक महत्व निरंतर बढ़ रहा है।
22	निश्चल एन. पांडे	2020	कालापानी विवाद ने भारत-नेपाल संबंधों में तनाव को बढ़ाया।
23	संगीता थापा	2021	कोविड-19 काल में स्वास्थ्य सहयोग ने द्विपक्षीय संबंधों को नई दिशा प्रदान की।
24	आर. पी. कंडेल	2022	ऊर्जा एवं जलविद्युत सहयोग भारत-नेपाल संबंधों का उभरता हुआ क्षेत्र है।
25	हर्ष वी. पंत	2022	चीन-नेपाल निकटता भारत की सामरिक चिंताओं को बढ़ाती है।
26	राजेश कुमार	2023	कनेक्टिविटी एवं अवसंरचना परियोजनाएँ द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करती हैं।
27	आई. पी. कंडेल	2024	ऐतिहासिक, राजनीतिक एवं भू-रणनीतिक कारक आज भी भारत-नेपाल संबंधों को आकार दे रहे हैं।
28	नेक्स्ट आईएएस विश्लेषण	2025	व्यापार, ऊर्जा, संपर्क और रणनीतिक सहयोग भविष्य के संबंधों के प्रमुख आधार होंगे।

2. भारत-नेपाल संबंधों का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

भारत और नेपाल के संबंधों का इतिहास हजारों वर्षों पुराना है। प्राचीन काल में नेपाल और भारतीय उपमहाद्वीप के विभिन्न राज्यों के बीच राजनीतिक, सांस्कृतिक और धार्मिक संपर्क विद्यमान थे। लिच्छवि वंश, मौर्य साम्राज्य तथा गुप्त साम्राज्य के प्रभाव दोनों क्षेत्रों में दिखाई देते हैं। बुद्ध का जन्म लुंबिनी (नेपाल) में हुआ जबकि उनका ज्ञान और धर्म प्रचार भारत की धरती पर विकसित हुआ। इस प्रकार बौद्ध और हिंदू परंपराएँ दोनों देशों को जोड़ती रही हैं। 1814-1816 के एंग्लो-नेपाल युद्ध के बाद सुगौली संधि हुई, जिसने नेपाल की वर्तमान सीमाओं को परिभाषित किया। ब्रिटिश काल में नेपाल एक स्वतंत्र राज्य बना रहा, किंतु उसकी विदेश नीति पर ब्रिटिश प्रभाव रहा। भारत की स्वतंत्रता के बाद नेपाल और भारत के बीच नए संबंधों की शुरुआत हुई। 1950 की

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 3
May - June: 2026

भारत-नेपाल शांति एवं मैत्री संधि दोनों देशों के संबंधों में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर सिद्ध हुई। इस संधि के तहत दोनों देशों ने एक-दूसरे की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करने तथा सुरक्षा एवं आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। संधि ने दोनों देशों के नागरिकों को व्यापार, निवास और आवागमन की विशेष सुविधाएँ प्रदान कीं।

3. भारत-नेपाल संबंधों का राजनीतिक आयाम

भारत और नेपाल के राजनीतिक संबंध सदैव उतार-चढ़ाव से भरे रहे हैं। नेपाल की आंतरिक राजनीति का भारत-नेपाल संबंधों पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता रहा है। नेपाल में राजशाही, लोकतंत्र, माओवादी आंदोलन और संघीय लोकतांत्रिक व्यवस्था के विभिन्न चरणों ने दोनों देशों के संबंधों को प्रभावित किया। भारत ने नेपाल में लोकतांत्रिक संस्थाओं के विकास और राजनीतिक स्थिरता का समर्थन किया है। 2006 के जनआंदोलन के बाद नेपाल में लोकतांत्रिक परिवर्तन और 2008 में राजशाही की समाप्ति के दौरान भारत ने सकारात्मक भूमिका निभाई। इसके बावजूद नेपाल में कुछ राजनीतिक दलों और समूहों द्वारा भारत पर अत्यधिक हस्तक्षेप के आरोप लगाए जाते रहे हैं।

3.1 सीमा विवाद

भारत और नेपाल के बीच कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा क्षेत्र को लेकर सीमा विवाद विद्यमान है। 2020 में नेपाल द्वारा नया राजनीतिक मानचित्र जारी किए जाने के बाद यह विवाद और अधिक चर्चा में आया। दोनों देशों ने विवाद के समाधान हेतु संवाद और कूटनीतिक वार्ताओं का मार्ग अपनाने पर बल दिया है।

3.2 1950 संधि की समीक्षा

नेपाल में लंबे समय से 1950 की संधि की समीक्षा की मांग उठती रही है। नेपाल के कई राजनीतिक दल इसे असमान संधि मानते हैं, जबकि भारत इसे दोनों देशों के बीच विशेष संबंधों का आधार मानता है। हाल के वर्षों में दोनों देशों ने बदलती परिस्थितियों के अनुरूप संधि की समीक्षा की आवश्यकता स्वीकार की है।

4. आर्थिक संबंध

भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। नेपाल के कुल विदेशी व्यापार का बड़ा हिस्सा भारत के साथ होता है। नेपाल की अर्थव्यवस्था भारत पर काफी हद तक निर्भर है, विशेषकर पेट्रोलियम उत्पादों, दवाइयों, मशीनरी तथा उपभोक्ता वस्तुओं के आयात के लिए।

भारत नेपाल में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) का एक प्रमुख स्रोत है। बैंकिंग, दूरसंचार, शिक्षा, ऊर्जा और विनिर्माण क्षेत्रों में भारतीय कंपनियों ने महत्वपूर्ण निवेश किया है।

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 3
May - June: 2026

4.1 व्यापारिक सहयोग

भारत और नेपाल के बीच वार्षिक व्यापार अरबों डॉलर के स्तर पर पहुँच चुका है। नेपाल भारत को इलायची, कालीन, लौह उत्पाद और बिजली का निर्यात करता है, जबकि भारत नेपाल को पेट्रोलियम, मशीनरी, वाहन तथा दवाइयाँ निर्यात करता है।

4.2 ऊर्जा सहयोग

नेपाल जलविद्युत संसाधनों से समृद्ध है। भारत और नेपाल ने अरुण-3, अपर कर्णाली तथा अन्य जलविद्युत परियोजनाओं में सहयोग विकसित किया है। सीमा-पार विद्युत व्यापार दोनों देशों के आर्थिक संबंधों का नया आयाम बनकर उभरा है।

4.3 संपर्क (Connectivity) परियोजनाएँ

भारत और नेपाल के बीच रेलवे, सड़क और एकीकृत चेक पोस्ट (ICP) परियोजनाओं ने आर्थिक संबंधों को मजबूत किया है। जयनगर-बर्दीबास रेल परियोजना तथा विभिन्न सीमा अवसंरचना परियोजनाएँ दोनों देशों के बीच संपर्क बढ़ाने में सहायक रही हैं।

5. सामरिक एवं सुरक्षा संबंध

नेपाल भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है। हिमालयी क्षेत्र में स्थित नेपाल भारत और चीन के बीच एक रणनीतिक बफर (Buffer State) की भूमिका निभाता है। नेपाल की राजनीतिक स्थिरता और सुरक्षा भारत के सामरिक हितों से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ी हुई है।

5.1 खुली सीमा और सुरक्षा

भारत-नेपाल सीमा लगभग 1,850 किलोमीटर लंबी है और खुली सीमा व्यवस्था पर आधारित है। यह व्यवस्था दोनों देशों के नागरिकों के लिए लाभदायक है, किंतु इसके कारण तस्करी, मानव तस्करी, नकली मुद्रा और सीमा-पार अपराध जैसी चुनौतियाँ भी उत्पन्न होती हैं।

5.2 रक्षा सहयोग

भारत और नेपाल के बीच रक्षा सहयोग ऐतिहासिक रूप से मजबूत रहा है। भारतीय सेना और नेपाली सेना के बीच नियमित संयुक्त अभ्यास आयोजित किए जाते हैं। दोनों देशों के सेना प्रमुखों को एक-दूसरे की सेना में मानद जनरल की उपाधि प्रदान करने की परंपरा भी द्विपक्षीय सैन्य संबंधों का प्रतीक है।

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 3
May - June: 2026

5.3 चीन का बढ़ता प्रभाव

हाल के वर्षों में नेपाल में चीन की आर्थिक और सामरिक उपस्थिति बढ़ी है। बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) के माध्यम से चीन नेपाल में अवसंरचना परियोजनाओं में निवेश कर रहा है। इससे नेपाल की विदेश नीति में संतुलन की प्रवृत्ति दिखाई देती है तथा भारत के लिए नई सामरिक चुनौतियाँ उत्पन्न होती हैं।

6. सामाजिक एवं सांस्कृतिक संबंध

भारत और नेपाल के बीच सांस्कृतिक संबंध अत्यंत गहरे हैं। दोनों देशों की अधिकांश जनसंख्या हिंदू धर्म का पालन करती है तथा बौद्ध धर्म की साझा विरासत भी मौजूद है। पशुपतिनाथ, मुक्तिनाथ, जनकपुर, काशी और बोधगया जैसे धार्मिक स्थल दोनों देशों के नागरिकों को जोड़ते हैं। दोनों देशों के बीच विवाह संबंध, भाषाई समानताएँ और पारिवारिक रिश्ते भी प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। नेपाली नागरिकों की बड़ी संख्या भारत में कार्यरत है और भारतीय नागरिक भी नेपाल में व्यापार एवं रोजगार के अवसर प्राप्त करते हैं।

7. प्रमुख चुनौतियाँ

भारत-नेपाल संबंधों के समक्ष निम्नलिखित चुनौतियाँ विद्यमान हैं—

1. सीमा विवाद (कालापानी, लिपुलेख, लिम्पियाधुरा)।
2. 1950 की संधि की समीक्षा की मांग।
3. नेपाल की राजनीतिक अस्थिरता।
4. चीन का बढ़ता प्रभाव।
5. व्यापार असंतुलन।
6. खुली सीमा से उत्पन्न सुरक्षा चुनौतियाँ।
7. जल संसाधनों के प्रबंधन से जुड़े विवाद।

8. भविष्य की संभावनाएँ

भारत और नेपाल के संबंधों का भविष्य सहयोग, पारस्परिक सम्मान और साझा हितों पर आधारित है। दोनों देशों को सीमा विवादों का शांतिपूर्ण समाधान, ऊर्जा सहयोग का विस्तार, संपर्क परियोजनाओं का विकास तथा सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने पर ध्यान देना होगा। नेपाल की विकास आवश्यकताओं और भारत की "पड़ोसी प्रथम नीति" के बीच संतुलन स्थापित करना भविष्य के संबंधों की सफलता का आधार बनेगा।

साथ ही, दोनों देशों को युवाओं, शिक्षा, पर्यटन, डिजिटल कनेक्टिविटी और हरित ऊर्जा के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाना चाहिए। इससे दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय स्थिरता और आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा मिलेगा।

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 3
May - June: 2026

9. निष्कर्ष

भारत और नेपाल के संबंध दक्षिण एशिया के सबसे प्राचीन, घनिष्ठ और बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों में से एक हैं। इन संबंधों की विशेषता केवल भौगोलिक निकटता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह साझा इतिहास, संस्कृति, धर्म, भाषा, सामाजिक परंपराओं और आर्थिक परस्पर निर्भरता पर भी आधारित है। दोनों देशों के बीच सदियों से चले आ रहे सांस्कृतिक एवं पारिवारिक संबंधों ने एक ऐसे विश्वास और सहयोग की नींव रखी है, जिसने समय-समय पर उत्पन्न होने वाली राजनीतिक एवं कूटनीतिक चुनौतियों के बावजूद संबंधों को मजबूत बनाए रखा है। कंडेल (2024) के अनुसार, भारत और नेपाल के संबंधों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि ये केवल सरकारों के स्तर तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जन-जन के बीच स्थापित सामाजिक और सांस्कृतिक जुड़ाव पर आधारित हैं।

इस अध्ययन से स्पष्ट होता है कि 1950 की भारत-नेपाल शांति एवं मैत्री संधि ने दोनों देशों के संबंधों को संस्थागत स्वरूप प्रदान किया तथा राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा सहयोग की मजबूत आधारशिला रखी। यद्यपि समय के साथ नेपाल में इस संधि की समीक्षा की मांग उठती रही है, फिर भी यह संधि दोनों देशों के विशेष संबंधों का महत्वपूर्ण आधार बनी हुई है (विदेश मंत्रालय, 2024)। राजनीतिक स्तर पर नेपाल की आंतरिक परिस्थितियाँ, लोकतांत्रिक परिवर्तन, संवैधानिक विकास तथा विभिन्न राजनीतिक दलों की नीतियाँ भारत-नेपाल संबंधों को प्रभावित करती रही हैं। इसके अतिरिक्त कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा जैसे सीमा विवादों ने समय-समय पर द्विपक्षीय संबंधों में तनाव उत्पन्न किया है (पंत, 2023)।

आर्थिक दृष्टि से भारत नेपाल का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार और प्रमुख निवेशक है। व्यापार, ऊर्जा, जलविद्युत, परिवहन तथा सीमा-पार संपर्क परियोजनाओं ने दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को नई दिशा प्रदान की है। विशेष रूप से जलविद्युत उत्पादन और विद्युत व्यापार के क्षेत्र में सहयोग भविष्य में दोनों देशों की आर्थिक समृद्धि का महत्वपूर्ण आधार बन सकता है (नेक्स्ट आईएएस, 2025)। इसके अतिरिक्त सड़क, रेल और डिजिटल संपर्क परियोजनाएँ क्षेत्रीय एकीकरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

सामरिक दृष्टिकोण से नेपाल भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ोसी राष्ट्र है। हिमालयी क्षेत्र में स्थित होने के कारण नेपाल भारत और चीन के मध्य एक महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक स्थान रखता है। हाल के वर्षों में नेपाल में चीन की बढ़ती आर्थिक और सामरिक उपस्थिति ने भारत-नेपाल संबंधों को नई चुनौतियों के समक्ष खड़ा किया है (हर्ष वी. पंत, 2022)। इसके बावजूद भारत और नेपाल ने संवाद, कूटनीतिक वार्ताओं तथा सहयोग के माध्यम से संबंधों में संतुलन बनाए रखने का प्रयास किया है।

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 3
May - June: 2026

अध्ययन के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि भारत और नेपाल के संबंधों का भविष्य पारस्परिक विश्वास, सम्मान, समानता और सहयोग पर निर्भर करेगा। दोनों देशों को सीमा विवादों के शांतिपूर्ण समाधान, आर्थिक साझेदारी के विस्तार, ऊर्जा सहयोग को बढ़ावा देने तथा सुरक्षा समन्वय को मजबूत करने की दिशा में निरंतर प्रयास करने होंगे। साथ ही, शिक्षा, पर्यटन, संस्कृति, तकनीक और पर्यावरण संरक्षण जैसे नए क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाएँ मौजूद हैं। यदि दोनों देश आपसी संवेदनशीलताओं का सम्मान करते हुए सहयोग की भावना को आगे बढ़ाते हैं, तो भारत-नेपाल संबंध न केवल द्विपक्षीय स्तर पर बल्कि सम्पूर्ण दक्षिण एशिया में शांति, स्थिरता और सतत विकास के लिए एक आदर्श मॉडल के रूप में उभर सकते हैं (कंडेल, 2024; विदेश मंत्रालय, 2024)।

संदर्भ

अधिकारी, ऋषि राज। (2009). *भारत-नेपाल संबंधों में सीमा प्रबंधन एवं सुरक्षा चुनौतियाँ*। काठमांडू: नेपाल पॉलिसी रिसर्च सेंटर।

बराल, लोक राज। (1996). *नेपाल की विदेश नीति और भारत-नेपाल संबंध*। काठमांडू: नेपाल फाउंडेशन फॉर एशियन स्टडीज़।

चतुर्वेदी, एस. के. (2015). *नेपाल की संवैधानिक राजनीति और भारत-नेपाल संबंध*। नई दिल्ली: साउथ एशियन स्टडीज़ प्रकाशन।

जायसवाल, प्रमोद। (2016). *India–Nepal Relations in Transition*. नई दिल्ली: अड्रोइट पब्लिशर्स।

झा, हरि बंश। (2017). *नेपाल की विदेश नीति और चीन का बढ़ता प्रभाव*। काठमांडू: सेंटर फॉर नेपाल एंड एशियन स्टडीज़।

थापा, भेख बहादुर। (2010). *Nepal's Foreign Policy: Historical Perspective*. काठमांडू: नेपाल काउंसिल ऑफ वर्ल्ड अफेयर्स।

थापा, संगीता। (2021). *कोविड-19 और भारत-नेपाल स्वास्थ्य सहयोग*। काठमांडू: हेल्थ पॉलिसी रिसर्च जर्नल, 12(3), 45–58।

ठाकुर, रमेश। (1997). *South Asia in the New World Order*. नई दिल्ली: विकास पब्लिशिंग हाउस।

देवी, सनासम संध्यारानी। (2014). *भारत-नेपाल सांस्कृतिक संबंध: एक अध्ययन*। इंफाल: नॉर्थ ईस्ट स्टडीज़ सेंटर।

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 3
May - June: 2026

नेक्स्ट आईएएस। (2025). *भारत-नेपाल संबंध 2025: चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ*। प्राप्त किया गया https://www.nextias.com

पंत, हर्ष वी. (2022). *India's Nepal Policy and China Factor*. नई दिल्ली: ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन।

पंत, राजीव। (2023). *भारत-नेपाल संबंध: चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ*। नई दिल्ली: अंतरराष्ट्रीय संबंध अध्ययन केंद्र।

पांडे, निश्चल नाथ। (2005). *नेपाल-भारत संबंध और 1950 की मैत्री संधि*। काठमांडू: सेंटर फॉर साउथ एशियन स्टडीज़।

पांडे, निश्चल एन. (2020). *कालापानी विवाद और भारत-नेपाल संबंध*। काठमांडू: नेपाल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल अफेयर्स।

कडेल, पुष्प राज। (2008). *Economic Cooperation Between India and Nepal*. काठमांडू: त्रिभुवन विश्वविद्यालय प्रकाशन।

कंडेल, आर. पी. (2022). *भारत-नेपाल ऊर्जा एवं जलविद्युत सहयोग*। काठमांडू: एनर्जी पॉलिसी जर्नल, 8(2), 21–35।

कंडेल, आई. पी. (2024). *The Political and Historical Dynamics of Nepal–India Relations*. ResearchGate. https://www.researchgate.net

कुमार, ध्रुव। (2007). *नेपाल में माओवादी आंदोलन और क्षेत्रीय राजनीति*। काठमांडू: मार्टिन चौतारी प्रकाशन।

कुमार, राजेश। (2023). *भारत-नेपाल कनेक्टिविटी और अवसंरचना विकास*। नई दिल्ली: साउथ एशियन डेवलपमेंट रिव्यू।

गुप्ता, रंजन। (2013). *भारत-नेपाल आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय एकीकरण*। नई दिल्ली: आर्थिक एवं राजनीतिक अध्ययन संस्थान।

जेवियर, कॉन्स्टेंटिनो। (2019). *Nepal in Himalayan Geopolitics*. नई दिल्ली: कार्नेगी इंडिया।

भारत सरकार, विदेश मंत्रालय। (2024). *भारत-नेपाल द्विपक्षीय संबंध (India–Nepal Bilateral Relations)*। नई दिल्ली: विदेश मंत्रालय। प्राप्त किया गया https://mea.gov.in

GYANBODH
An International Multidisciplinary Peer Reviewed Journal
ISSN:3048-9792
Volume: 3
Issue: 3
May - June: 2026

मोहन, सी. राजा। (2003). *Crossing the Rubicon: The Shaping of India's New Foreign Policy*. नई दिल्ली: पेंगुइन बुक्स।

मुनी, एस. डी. (1992). *India and Nepal: A Challenging Relationship*. नई दिल्ली: कोणार्क पब्लिशर्स।

मुनी, एस. डी. (2006). *Nepal's Democratic Transition and India*. नई दिल्ली: इंस्टीट्यूट ऑफ डिफेंस स्टडीज़ एंड एनालिसिस।

लामा, महेंद्र। (2011). *Cross-Border Trade and Regional Development*. नई दिल्ली: अकादमिक फाउंडेशन।

रोज़, लियो ई. (1971). *Nepal: Strategy for Survival*. बर्कले: यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया प्रेस।

सिंह, अजय। (2020). *भारत की सुरक्षा के संदर्भ में नेपाल का सामरिक महत्व*। देहरादून: सामरिक अध्ययन पत्रिका, 5(1), 33–47।

सुवेदी, सूर्य प्रसाद। (2012). *Dynamics of Foreign Policy and Law: A Study of India–Nepal Relations*. ऑक्सफोर्ड: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।

उप्रेती, बी. सी. (2001). *Nepal: Transition to Democratic Republic*. नई दिल्ली: कालिंगा पब्लिकेशन्स।